दादी, नानी की निगरानी में पढ़ेंगे नौनिहाल

संवाद सूत्र, गोंडा : अब आंगनबाड़ी केंद्रों पर आने वाले नौनिहालों की निगरानी मां के साथ ही दादी व नानी करेंगी। इसके लिए प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र पर मातृ समितियों का गठन किया जाएगा। ये समिति बच्चों प्री स्कूल शिक्षा के साथ ही पोषक आहार वितरण व स्वास्थ्य की निगरानी करेगी। समिति में 7 से 12 सदस्य होंगे। मातृ समिति गठन के लिए अधिकारियों को पत्र जारी कर दिए गए हैं।

बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा गांवों को कुपोषण मुक्त करने के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं। केंद्र पर बच्चों को स्कूल पूर्व शिक्षा के साथ ही सेहत संबंधी जानकारियां दी जाती है। ग्राम स्तर पर निगरानी की व्यवस्था ठीक न होने के कारण योजना का संचालन ठीक से नहीं हो पा रहा है। स्थानीय स्तर पर समस्याओं का समाधान कराने के लिए शासन ने आंगनबाड़ी केंद्रों पर मातृ समितियों का गठन कराने का फैसला किया है। प्रत्येक समेत में सात से 12 सदस्य रखे जाएंगे, जिसमें सिर्फ महिलाएं नामित की जाएंगी। समिति में ऐसी महिलाएं जिनके बच्चे केंद्र पर पंजीकृत हैं, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रत्येक समिति में ग्राम पंचायत की महिला सदस्य भी नामित होगी। राजनीति से संबंध रखने वाली महिलाओं को शामिल नहीं किया जाएगा। मातृ समिति के अध्यक्ष व सदस्यों का चयन ग्राम प्रधान की उपस्थिति में राजस्व अधिकारियों के सहयोग से मुख्य सेविका करेंगी। सचिव अनीता सी. मेश्राम ने जिलों के अधिकारियों को जून से 15 जुलाई के मध्य मातृ समितियां गठित कराकर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

सुशिक्षित समाज

- आंगनबाड़ी केंद्रों पर गठित होंगी मातृ समितियां
- प्रत्येक समिति में होंगी 7 से 12 महिला सदस्य

आंगनबाड़ी केंद्रों पर मातृ समितियों का गठन कराया जाएगा। समिति में बच्चों की मां के साथ ही दादी व नानी भी बतौर सदस्य शामिल होंगी। जिससे बच्चों की निगरानी ठीक से की जा सके। संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं।

दिव्या मित्तल, सीडीओ, गोंडा

केंद्र पर मिलने वाली सेवाएं

अनुपूरक पोषाहार • स्वास्थ्य प्रतिरक्षण • स्वास्थ्य जांच • पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा • स्कूल पूर्व शिक्षा आदि।